सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी पेज: 7

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंग पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 304 | शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सीएम रेवंत रेड्डी की दिल्ली में राजनाथ सिंह से मुलाकात, 'गांधी सरोवर' प्रोजेक्ट के लिए दिया न्योता

नई दिल्ली एजेंसी: तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इससे पहले आज, रेड्डी ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें ईसा और मूसी नदियों के संगम पर प्रस्तावित "गांधी सरोवर परियोजना" के शिलान्यास समारोह में आमंत्रित किया, जो फरवरी के अंतिम सप्ताह में होने वाला है। रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक का विवरण साझा करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री को स्थल के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी और याद दिलाया कि महात्मा गांधी की अस्थियों को फरवरी 1948 में दो नदियों के संगम पर विसर्जित किया गया था। एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मेरी मुलाकात हुई।

बहुत हो चुका, अब दुनिया देखेगी पीएम मोदी की कूटनीति, 40 से 50 देशों के राष्ट्राध्यक्ष अगले हफ्ते आ रहे हैं दिल्ली

नई दिल्ली एजेंसी: भारत की कूटनीतिक सक्रियता एक बार फिर तेज गति से आगे बढ़ती दिख रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा 18 से 22 फरवरी 2026 तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को और मजबूत करने में जुटा है और उभरती तकनीक, व्यापार, सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग पर जोर दे रहा है। हम आपको बता दें कि इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण नई दिल्ली में होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट होगा, जिसमें ब्राजील के राष्ट्रपति 19 और 20 फरवरी को भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार 21 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति लुला के बीच द्विपक्षीय

बैठक होगी जिसमें व्यापार, ऊर्जा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, रक्षा सहयोग और नई तकनीक जैसे कई विषयों पर चर्चा की उम्मीद है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी ब्राजील के राष्ट्रपति की मुलाकात होगी। राष्ट्रपति भवन में ब्राजील के राष्ट्रपति के सम्मान में भोज का आयोजन भी होगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी उनसे मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस यात्रा से भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी को नया बल मिलेगा और ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों पर साझा पहल आगे बढ़ेगी। इसके अलावा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। दोनों देश वर्ष 2047 तक के रोडमैप के तहत सहयोग को गहरा करने पर काम कर रहे हैं। रक्षा, अंतरिक्ष, समुद्री सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी पर विशेष ध्यान रहेगा। मुंबई में भारत फ्रांस नवाचार वर्ष का संयुक्त शुभारंभ भी दोनों नेता करेंगे, जो साल भर मनाया जाएगा। 19 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों भी एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होंगे। हम आपको बता दें कि इस समिट में दुनिया के

नई तकनीक जैसे कई विषयों पर चर्चा की उम्मीद है

भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार 21 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति लुला के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी जिसमें व्यापार, ऊर्जा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, रक्षा सहयोग और नई तकनीक जैसे कई विषयों पर चर्चा की उम्मीद है।

40 से 50 देशों के नेता, नीति निमार्ता और तकनीक विशेषज्ञ भाग ले सकते हैं। इससे भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नीति निर्माण और नैतिक उपयोग पर वैश्विक संवाद का केंद्र बनने का अवसर मिलेगा। इन कूटनीतिक गतिविधियों के बीच रक्षा क्षेत्र से भी एक अहम खबर आई है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह सौदा सरकार से सरकार के बीच समझौते के जरिये आगे बढ़ेगा। योजना है कि 114 में से 90 विमान भारत में ही बनाए जाएं और इनमें करीब आधा हिस्सा स्वदेशी सामग्री का हो। भारत को इन विमानों में अपने हथियार और प्रणालियां जोड़ने का अधिकार भी होगा। वायु सेना पहले से 36 राफेल का उपयोग कर रही है, जबकि नौसेना आने वाले वर्षों में 26 राफेल एम शामिल करेगी। नए विमानों से वायु सेना की दस्ता शक्ति में कमी की समस्या कुछ हद तक दूर होगी, क्योंकि स्वीकृत संख्या 42 के मुकाबले अभी स्कवॉड्रन संख्या काफी कम है। दूसरी ओर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक वार्ता में कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत का पक्ष रखा। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर उन्होंने कहा कि हाल के संशोधन दोनों पक्षों की साझा समझ को ही दिखाते हैं और अब इस ढांचे को लागू करने तथा समझौते को अंतिम रूप देने पर काम होगा।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में लाल किला के पास हुए विस्फोट में जैश-ए-मोहम्मद की भूमिका के उल्लेख पर उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में भारत की चिंताओं और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख को स्थान दिया गया है।

बजट पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का जवाब, लोकसभा से औद्योगिक संबंध विधेयक पास

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दिये नोटिस का विषय सदन में उठाया और इस पर चर्चा कराने की मांग की, विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पर हुई सामान्य चर्चा का वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया। वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्यसभा में सांसदों से अपनी अपनी राज्य सरकारों से बजट में घोषित योजनाओं में शामिल होने का आग्रह करने को कहा। उन्होंने कहा कि बजट में उठाए गए कदम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति हमारे संकल्प को साबित करते हैं। निर्मला सीतारमण

ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में व्यय कटौती के विपक्ष के आरोपों का खंडन किया। सीतारमण ने कहा कि हम एक सशक्त शिक्षा से रोजगार और उद्यम स्थायी समिति की स्थापना कर रहे हैं जो यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे युवा सेवा क्षेत्र के लिए तैयार हों, जहां हमारा लक्ष्य 2047 तक वैश्विक बाजार का लगभग 10% हिस्सा हासिल करना है। हमने अगले पांच वर्षों में 1 लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को तैयार करने का लक्ष्य रखा है, और इस योजना के लिए अगले 12 महीनों के लिए कुल 1,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। विकसित भारत के तहत गठित उच्च स्तरीय बैंकिंग समिति बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करेगी और इसे भारत के विकास के अगले चरण के अनुरूप ढालेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का कोष कोई मुफ्त का पैसा नहीं है। यह हर भारतीय नागरिक की मेहनत से कमाई गई धनराशि है। हम समय सीमा पूरी करने के लिए इस धन को व्यर्थ नहीं करेंगे। हमारी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और हम उसी का पालन करते हैं। लोकसभा ने औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित किया। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पहले खदान में काम करने वाले या सीवरेज साफ करने वाले श्रमिकों के लिए, कम से कम 10 कामगार वाले कंपनी के मजदूरों को एरक्ट में इलाज की सुविधा थी। लेबर कोड में खतरे वाले क्षेत्र के कामगार, यदी 10 से कम भी हों तो एरक्ट में ट्रीटमेंट की सुविधा मिलेगी।

किसानों का विरोध पर नायब सैनी का बड़ा हमला, कांग्रेस और एएपी किसानों को गुमराह कर रहे हैं

चंडीगढ एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर राज्य के किसानों को "गुमराह करने और भड़काने" का आरोप लगाया और कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) भी यही कर रही है। यह आलोचना भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध के बीच आई है, जिसमें भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। कई व्यापार और किसान संगठनों ने समझौते के विरोध में देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। संयुक्त बयान के अनुसार, इस समझौते के तहत भारत का कृषि बाजार कुछ उत्पादों, जैसे फल, मेवे, डीजी आदि के लिए खुल जाएगा। एएनआई से विशेष बातचीत में नायब सिंह सैनी ने बताया कि उन्होंने एक बार पंजाब

के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस मुद्दे पर बात की थी और उन्हें सलाह दी थी कि वे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करें, जैसा कि हरियाणा सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों को गुमराह करने और डराने का काम करती है। वह झूठ बोलकर उन्हें उकसाती है। और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार भी कांग्रेस की राह पर चलते हुए बड़े-बड़े वादे कर रही है। मैंने एक दिन मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि आप यहां किसानों को उकसाते हैं। उन्हें उकसाने के बजाय, उनसे कहिए कि जिस तरह हम हरियाणा में सभी किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीद रहे हैं, वैसे ही यहां भी करेंगे। आप क्यों नहीं बोलते? आपको बोलना चाहिए। लेकिन नहीं, आप नहीं बोलेंगे। जब उनसे तीन-किसान अधिनियम के खिलाफ 2020 के किसान विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा गया, तो सैनी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हालिया जीत का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से किसानों की निराशा को खारिज कर दिया। आपने आंदोलन की बात की। अगर ऐसा होता, तो तीसरी बार सरकार क्यों बनती? लोग काम देखते हैं और काम देखते हैं, इसीलिए उन्होंने सरकार को लगातार तीसरी बार चुना है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कांग्रेस से "तंग आ चुके हैं" और 2029 के चुनावों में एक और हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने एएनआई से कहा, मैं आज आपको एक और बात बता रहा हूं: कांग्रेस ने 'कांग्रेस आएगी, कांग्रेस आएगी' कहकर इतना शोर मचाया था। लोग इससे तंग आ चुके थे, और हमें मजबूत जनादेश मिला है: जब 2029 के चुनाव होंगे, तो कांग्रेस का कहीं नामोनिशान नहीं होगा।

पशु नीति भावना से नहीं, विज्ञान से चले, नागपुर में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के प्रमुख मोहन भगवत ने गुरुवार को एक अलग, सशक्त पशु चिकित्सा परिषद की स्थापना का आह्वान किया और कहा कि पशुओं और जन सुरक्षा से संबंधित निर्णय पशु चिकित्सकों और विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में लिए जाने चाहिए। नागपुर में आयोजित इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनिन प्रैक्टिस आईएसएसीपी के 22वें वार्षिक सम्मेलन और एकल स्वास्थ्य में कुत्तों की भूमिकाः साझेदारी निर्माण और चुनौतियों का समाधान" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने यह बात कही। दिल्ली में हाल ही में आवारा कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए भगवत ने कहा कि सार्वजनिक चर्चा ध्रुवीकृत हो गई है। उन्होंने कहा कि दो चरम विचार सामने आ रहे हैं: या तो सभी कुत्तों को मार डालो या उन्हें बिल्कुल भी न छुओ। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना ही

है, तो असली सवाल यह है कि वे साथ कैसे रहें। उन्होंने संतुलित और मानवीय समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया। वैज्ञानिक दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए भगवत ने कहा कि मध्य मार्ग संभव और आवश्यक दोनों है। उन्होंने कहा, "नसबंदी के माध्यम से कुत्तों की आबादी को नियंत्रित किया जा सकता है, और मनुष्यों के लिए जोखिम को कम करने के लिए कई निवारक कदम उठाए जा सकते हैं। ये ज्ञान पर आधारित व्यावहारिक समाधान हैं, भावनाओं पर नहीं। उन्होंने आगे कहा कि उनके विचार पशु चिकित्सक के रूप में उनकी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

आरएसएस प्रमुख ने पशु चिकित्सकों से पारंपरिक रूप से मानी जाने वाली सीमाओं से परे सोचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पहले यह माना जाता था कि पशु चिकित्सकों का दायरा बहुत सीमित है। यह सोच गलत है। हमें व्यापक सोच रखनी चाहिए और समाज, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नीति में पशु चिकित्सकों की व्यापक भूमिका को पहचानना चाहिए।

पुणे में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता बनर्जी, बोलीं- यह एक घृणा अपराध है

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में काम कर रहे पुरुलिया के 24 वर्षीय प्रवासी मजदूर सुखेन महतो की हत्या पर गहरा सदमा और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को घृणा अपराध बताते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित को उसकी भाषा और पहचान के कारण निशाना बनाया गया था और ऐसे हमलों के लिए बढ़ते विदेशी-विरोधी माहौल को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, विदेशी-विरोधी भावना को हथियार बनाकर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। पोस्ट में लिखा कि मैं दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग करता हूं। सुखेन के परिवार से मैं कहना चाहता हूं कि इस असहनीय दुख की घड़ी में बंगाल उनके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। भाजपा नेता दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल सरकार पर राज्य में हिंदुओं की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों का आरोप लगाया। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए घोष ने कहा आज बंगाल में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं पर हमले, और जब हम अपने कार्यक्रम आयोजित करते हैं, तो पुलिस हमारे झंडे उतार देती है। पुलिस और गुंडे मिलकर यह सब कर रहे हैं। हिंदू समुदाय को इस स्थिति में धकेला जा रहा है।

किरेन रिजिजू का राहुल गांधी पर बड़ा हमला, बोले- वह मिडिया के सवालों का जवाब नहीं देना चाहते

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मीडियाकर्मियों पर की गई बदतमीजी की आलोचना करते हुए कहा राहुल गांधी मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते। राष्ट्रीय राजधानी में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि मीडिया को सवाल पूछने से नहीं रोका जाना चाहिए, और कहा कि विपक्ष में रहते हुए उनकी पार्टी ने कभी भी मीडिया को सवाल पूछने से नहीं रोका। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह गलत है। अगर वह मीडिया को टोकेंगे और डांटेंगे, तो सवाल कौन पूछेगा? क्या हमने कभी मीडिया को सवाल पूछने से रोका है? विपक्ष में रहते हुए हमने कभी भी कांग्रेस का नाम लेकर मीडिया से कुछ नहीं कहा। उन्होंने यह सब इसलिए कहा होगा क्योंकि वह मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते। उन्होंने कांग्रेस सांसदों के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में भी बताया, जिसमें उन्होंने सांसदों से

विपक्ष के नेता को सदन के नियमों के अनुसार बोलने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि मैंने कई कांग्रेस सांसदों से राहुल गांधी को यह समझाने के लिए कहा है कि अगर वे नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ नोटिस जारी किया जा सकता है। यह घटना लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आज सुबह भाजपा के निर्देशों का अंधाधुंध पालन करने के लिए मीडिया की आलोचना करने और इसे "देश के लिए हानिकारक" बताने के बाद हुई है। रिजिजू ने अपने फेसबुक हैंडल पर साझा किए गए उस वीडियो पर भी बात की, जिसमें कांग्रेस सांसदों ने कथित तौर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का उनके कक्ष में अपमान किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल वहां मौजूद थे, जबकि अन्य सांसदों ने कथित तौर पर अध्यक्ष के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कांग्रेस से अपनी गलती स्वीकार करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल वहां (लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में) मौजूद थे। उन्होंने कुछ नहीं कहा। बाकी सांसदों ने ही 'गाली-गलौच' की। वीडियो सामने आने के बाद वे क्या करेंगे? इसीलिए उन्हें अपनी गलती मान लेनी चाहिए।

आप भाजपा के गुलाम हैं विशेषाधिकार प्रस्ताव के सवालों पर क्यों भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को मौजूदा संसद सत्र के दौरान अपने खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की संभावना से जुड़े सवालों को लेकर मीडिया के कुछ वर्गों पर जमकर निशाना साधा। सरकार द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की योजना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने कहा कि आप पूरी तरह से भाजपा के गुलाम नहीं हैं। कम से कम थोड़ा तो निष्पक्ष होकर काम करने की कोशिश कीजिए, यह बेहद शर्मनाक है हद हो गई है। आप जिम्मेदार लोग हैं। आप मीडियाकर्मी हैं, निष्पक्ष रहना आपकी जिम्मेदारी है। आप सिर्फ उनकी दी हुई बात को मानकर अपना पूरा कार्यक्रम नहीं चला सकते आप इस देश का अपमान कर रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी संसद में जारी राजनीतिक खींचतान के बीच आई है, जिसमें विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्य हालिया विवादों को लेकर तीखी बहस में उलझे हुए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि लोकसभा

में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ सदन को कथित तौर पर गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के आरोप में विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाएगा। रिजिजू ने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रस्ताव कब लाया जाएगा या कौन इसे शुरू करेगा, हालांकि यह माना जा रहा है कि लोकसभा में सत्ता पक्ष का कोई सदस्य इसे शुरू कर सकता है। यह घटनाक्रम गांधी द्वारा केंद्रीय बजट पर बहस के दौरान भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के माध्यम से सरकार पर "भारत माता को बेचने" का आरोप लगाने के बाद सामने आया है। उन्होंने समझौते को पूरी तरह से आत्मसमर्पण बताते हुए आरोप लगाया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है और किसानों के हितों से समझौता किया गया है। गांधी ने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार ने व्यापार समझौते पर बातचीत की होती, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत को बराबरी का दर्जा देने के लिए कहती। उन्होंने हालिया व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा, आपने भारत को बेच दिया है। क्या आपको भारत को बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी माता, भारत माता को बेच दिया है।

लोकसभा में अपने खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की संभावना पर राहुल गांधी मीडिया पर भड़क गए, उन्होंने मीडिया पर भाजपा के लिए काम करने और देश का अपमान करने का आरोप लगाया। यह प्रस्ताव उनके उस बयान के बाद लाया जा रहा है जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर 'भारत माता को बेचने' का आरोप लगाया था।

संपादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है। निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है।

चिंतन-मनन

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नजर में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जातिगत भेदभाव पर बाजिव है विपक्ष की चिंता?

डॉ हिदायत अहमद खान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जिसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों को राष्ट्र जीवन का आधार बनाया। बावजूद इसके समय-समय पर जाति-संप्रदाय और धर्म के नाम पर भेदभाव किए जाने और हिंसा एवं मावलिंचिंग जैसी कष्टप्रद घटनाएं जब सामने आती हैं तो बेहद अफसोस होता है। ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक व्यवहार के बीच अब भी एक गहरी खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने की बजाय और चौड़ी करने का कुत्सित कार्य गंदी राजनीति करने वाले तथाकथित नेता करते देखे जाते हैं। हर चुनाव से पहले इस पर चर्चा होती है और बदस्तूर घटनाएं भी होती हैं, इसलिए सभी कटघरे में खड़े होते हैं, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। बहरहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाया गया जातिगत भेदभाव का मुद्दा इसी खाई की ओर ध्यान आकर्षित करता है। इस संदर्भ में विपक्ष की चिंता न केवल उचित है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श का आवश्यक हिस्सा भी है। ओडिशा के एक आंगनवाड़ी केंद्र में दलित महिला द्वारा भोजन बनाए जाने के कारण बच्चों के बहिष्कार की घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं मानी जा सकती। यह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत के विकास और प्रगति के दावों को चुनौती देती है। आंगनवाड़ी केंद्र देश के सबसे संवेदनशील सामाजिक संस्थानों में से हैं, जहां बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखी जाती है। यदि वहीं जातिगत पूर्वाग्रह के आधार पर बहिष्कार जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि उन बच्चों के अधिकारों का भी हनन है, जिन्हें समान अवसर और पोषण मिलना चाहिए। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है, जबकि अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की स्पष्ट घोषणा करता है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21(क) शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है और अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। यदि जातिगत सोच के कारण पोषण कार्यक्रमों का बहिष्कार होता है, तो यह इन संवैधानिक प्रावधानों की भावना के विपरीत है। अतः ऐसे तमाम मामलों और घटित हुईं घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम होगी। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने इस संबंध में जिन अन्य घटनाओं का उल्लेख किया उनमें मध्य प्रदेश में आदिवासी मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार, गुजरात में दलित कर्मचारी की आत्महत्या और चंडीगढ़ में संस्थागत भेदभाव जैसी घटनाएं भी शामिल हैं। ये मामले दशार्ते हैं कि समस्या केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं है। यदि संस्थागत ढांचे में भी पूर्वाग्रह मौजूद हैं, तो यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसे कठोर कानूनों का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब उनका प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन हो। यह भी सच है कि जातिगत भेदभाव का मुद्दा अक्सर राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाता है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, जिससे मूल समस्या कभी-कभी राजनीतिक शोर में दब जाती है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि मुद्दे की गंभीरता कम हो जाती है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार और समाज को आईना दिखाना भी है। यदि विपक्ष सामाजिक न्याय के प्रश्न को उठाता है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह ऐसी घटनाओं को अलग-थलग घटनाएं कहकर टालने के बजाय उनकी जड़ तक पहुंचे। त्वरित और निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही, सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर यह संदेश देना भी उतना ही जरूरी है कि जातिगत भेदभाव न केवल अवैध है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी, विद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में समानता और सम्मान के मूल्यों को व्यवहार में उतारने की जरूरत है। सामाजिक न्याय केवल विधायी प्रावधानों से स्थापित नहीं होता; वह समाज की मानसिकता में परिवर्तन से आता है। जब तक समाज के हर वर्ग में यह भावना विकसित नहीं होगी कि सम्मान और अधिकार जन्म से

नहीं, बल्कि अच्छे मानव होने के नाते मिलते हैं, तब तक कठोर कानूनों की आवश्यकता बनी रहेगी। बच्चों के सामने यदि समानता का व्यवहार प्रस्तुत किया जाएगा, तभी वे भविष्य में भेदभाव से मुक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे। ऐसे में जातिगत ही नहीं बल्कि किसी भी प्रकार का भेदभाव जो समाज और समुदाय को तोड़ने का काम करता है वाला प्रश्न किसी एक दल या विचारधारा का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा का प्रश्न है। विपक्ष की चिंता इसलिए वाजिब है क्योंकि वह संविधान में निहित उस मूल भावना की याद दिलाती है, जिसे हम अक्सर भाषणों में दोहराते हैं पर व्यवहार में भूल जाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सामाजिक न्याय को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। तभी हम सही मायने में उस भारत की ओर बढ़ सकेंगे, जिसका सपना आजादी के दीवानों और संविधान निमार्ताओं ने देखा था।

जान के लिए खतरा बन रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है।

आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरूआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं।

आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है।

आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला।

8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था।

4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार कर-के उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी।घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं।

इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंततः उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई।

उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए निःसंकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अतः इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है।आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति ह्यनए भारतह्ण और ह्यविकसित भारतह्ण की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का

शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

गजरौला में आयोजित कौशल महोत्सव में पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार के बजट के बारे में दी जानकारी,कहा-बजट में रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास को दी गई है प्राथमिकता

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी में गुरुवार को कौशल महोत्सव कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से लोगों को प्रदेश सरकार के बजट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शासन प्रशासन और पार्टी कार्यकताओं ने पुख्ता इंतजाम किए। बता दें कि गुरुवार को नगर के स्टेशन रोड स्थित शिव इंटर कॉलेज में कौशल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने पहुंचकर शिरकत की। जयंत चौधरी यहां पर पूर्व कृषि मंत्री चौधरी अजीत सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों से मिलने और एनडीए की एकजुटता पर बात की।जयंत चौधरी ने गजरौला के शिव इंटर कॉलेज में आयोजित कौशल महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार के बजट को किसान, युवा और मध्यम वर्ग के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।इस कौशल महोत्सव में 40 से अधिक कंपनियों ने युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।गजरौला में फैक्ट्रियों के प्रदूषण के खिलाफ 60 दिनों से धरने पर बैठे किसानों के मुद्दे पर जयंत चौधरी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वे किसानों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। उन्होंने किसानों के जागरूक होने को अच्छी बात बताते हुए उनके साथ खड़े होने की बात कही।आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और इसमें कोई समस्या नहीं है।कार्यक्रम के बाद, जयंत चौधरी ने मालीखेड़ा स्पोर्ट्स स्टेडियम में निमार्णाधीन स्विमिंग पूल का भी निरीक्षण किया। उनके दौरे को लेकर कार्यकताओं में उत्साह देखा गया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

वाणिज्य कर विभाग द्वारा कम करों वाले भट्ठों पर कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वाणिज्य कर विभाग (जीएसटी विभाग) ने कम कर जमा करने वाले ईंट भट्ठों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जनपद में कुल 160 भट्ठे पंजीकृत हैं। विभाग ने पिछले वर्ष में 6 लाख रुपये से कम टैक्स जमा करने वाले सभी भट्ठों को चिह्नित किया है। इन भट्ठों का टर्नओवर 6 लाख रुपये से कम होने पर भी संदेह जताते हुए विभाग की सचल दल इकाइयों द्वारा उनके बिल एकत्र किए जा रहे हैं। इन बिलों की जांच खंड कार्यालय से वेरिफाई की जा रही है कि क्या भट्ठा मालिकों ने अपने टर्नओवर के अनुपात में उचित जीएसटी जमा की है या नहीं। यदि कोई विसंगति पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किया जा रहा है। अब तक जिले में 25 भट्ठों पर नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इन नोटिसों के जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुमार्ना, बकाया वसूली या अन्य कानूनी कदम शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, विभाग ग्राम पंचायतों में कार्यरत व्यापारियों और फर्मों की भी गहन जांच कर रहा है, खासकर उन फर्मों की जो मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय से भुगतान प्राप्त करती हैं। जांच में प्रतिकूल पाए जाने पर अब तक 60 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा कराई जा चुकी है। विभाग की यह मुहिम टैक्स चोरी रोकने और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से जारी है, तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई तेज की जाएगी।

क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर में संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- को मिनी क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता बेसिक शिक्षा विभाग विकासखंड जोया, जिला अमरोहा, के अंतर्गत सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर में संपन्न की गई। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य गुरनाम सिंह के द्वारा विधिवत शुरूआत की गई कार्यक्रम में विकासखंड जोया के खंड शिक्षा अधिकारी भारत भूषण विशिष्ट अतिथि के रूप में रहे'विकासखंड जोया के बच्चों के द्वारा कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया, कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक पीटीआई पुरुजीत सिंह के द्वारा किया गया। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग खो-खो में कंपोजिट विद्यालय कैल्शा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कंपोजिट विद्यालय कांकर सराय द्वितीय स्थान पर रहा, बालक वर्ग कबड्डी प्राथमिक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय जीवाई ने प्रथम स्थान तथा प्राथमिक विद्यालय पपसरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग लोक नृत्य में प्राथमिक विद्यालय अमेढ़ा ने प्रथम स्थान तथा प्राथमिक विद्यालय जोजखेड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग कबड्डी कंपोजिट विद्यालय जीवाई प्रथम स्थान और बालिका वर्ग खोखो में कंपोजिट विद्यालय कैल्शा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में खो-खो में कंपोजिट विद्यालय कैल्शा ने प्रथम स्थान , उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग कबड्डी में यूपीएस पपसरा ने प्रथम स्थानऔर उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 600 मीटर दौड़ में राजन राज कंपोजिट विद्यालय भीखनपुर मुंडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग समूह ज्ञान में कंपोजिट विद्यालय रामपुर घना ने प्रथम स्थान तथा एकांकी में कंपोजिट विद्यालय रामपुर घना प्रथम स्थान, 600 मीटर दौड़ में वंशिका यूपीएस नवादा ने प्रथम स्थान, कबड्डी बालिका वर्ग कंपोजिट विद्यालय सरकंडा कमाल ने प्रथम स्थान ओर खो खो बालिका वर्ग कंपोजिट विद्यालय कैल्शा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया'कार्यक्रम में ए आर पी भूपेंद्र सिंह, पूनम माहेश्वरी ,रश्मि चौधरी, धर्मेंद्र भारती,हेमा तिवारी, जयदीप चौधरी, विजेंद्र सिंह मृणाली ,कंचन मलासी,ऋतु ,अपूर्वी चौधरी,राकेश चहल, श्वेता चौधरी सतपाल सिंह, निधू, मतीन अहमद, अमित धारीवाल,
शहजाद रजा, विशाखा ईशा दिनकर सिंह अजय बामल सत्येंद्र सिंह मोहम्मद हसन, रहबर राजा,नोवबहार सिंह ,रामकिशोर सिंह,अनीस अहमद,हरीराज सिंह ,भूपेंद्र,सोमदेव, प्रदीप,सविंदर, योगेंद्र , सुशील नागर, तरुणा, , संगीता, अंस्जिया, जमशेद शरीफ , सोमदेव, हरवीर सिंह, संजीव शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे '

गजरौला में 'राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2025-26' के अंतर्गत तृतीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को जनपद के गजरौला नगर स्थित रमाबाई अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सत्र 2025-26 के अंतर्गत तृतीय एकदिवसीय शिविर का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर महबूब अली गौरी द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य महोदय ने कहा कि युवा शक्ति ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है, जिससे वे समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभा सकें। उन्होंने छान / छात्राओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा सेवा भावना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्वेता अग्रवाल के निर्देशन में शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छ वातावरण के महत्व को रेखांकित किया। इसके उपरांत महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. अजीता द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में मानसिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार एवं सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। उन्होंने तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच तथा संवाद के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। जंतु विज्ञान की प्रवक्ता डॉ. नेहा अग्रवाल ने "टीबी मुक्त भारत" विषय पर छात्र/ छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने टीबी के लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा सरकार द्वारा चलाए जा रहे टीबी उन्मूलन अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने छात्र / छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस विषय में जागरूक करें, ताकि भारत को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सके। मध्याह्न अल्पाहार के उपरांत पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने वेस्ट मटेरियल से विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुओं का निर्माण किया। इस गतिविधि के माध्यम से छात्र छात्राओं ने पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का महत्व समझा तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्वेता अग्रवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।
कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेमजीत पुरी, हिमांशु राजा, विशेष, साहिल, राधिका, सानिया, रितिका, अवनी, बुशरा, काजल, ओम, पलक, मानसी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन सभी ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया। इसी के साथ महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. मनमोहन वर्मा व डॉ. अनिल सिंह के साथ ही कर्मचारीगण,मेराज हसन, सुनील,चमन सिंह एवं हरपाल सिंह का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

फियरलेस फाल्कन को नौ विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची नारी वॉरियर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में आयोजित तीन दिवसीय जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग में दूसरे दिन सेमीफाइनल मैच काफी रोमांचक रहा। नारी वॉरियर की टीम ने फियरलेस फाल्कन को नौ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बृहस्पतिवार का मैच नारी वॉरियर और फियरलेस फाल्कन की टीमों के बीच था। नाईपुरा में स्थित जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी के क्रिकेट ग्राउंड में फियरलेस फाल्कन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लक्ष्य 84 रन था। नारी वॉरियर ने 9 विकेट से मैच जीत लिया। शालिनी शर्मा को मैन ऑफ द मैच और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला। रीता परिहार सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। पुरस्कार श्वेता शुक्ला ने प्रदान किए। अंपायरिंग विष्णु राणा और सुनील तिवारी ने की। स्कोरिंग आशु वर्मा ने की। समिति के सदस्य पुनीत तिवारी, रितु तिवारी, अर्चना, कपिल जोशी,अनुराधा ऊषा वर्मा आदि रहे।
जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार को मैच का फाइनल मुकाबला शक्ति स्कवॉड एवं नारी वॉरियर की टीमो के बीच होगा।

कायाकल्प टीम का धनौरा सीएचसी में निरीक्षण,परखीं व्यवस्थाएं

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) 'कायाकल्प' कार्यक्रम के तहत विस्तृत निरीक्षण किया गया। मुरादाबाद और संभल से आई विशेषज्ञों की एक टीम ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और रखरखाव का जायजा लिया, साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बता दें कि निरीक्षण टीम में मुरादाबाद के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) रघुवीर सिंह और संभल के जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव कुमार व रविंद्र सिंह शामिल रहे।टीम ने विशेष रूप से लेबर रूम का निरीक्षण किया, जहाँ प्रसव पूर्व व पश्चात की सुविधाओं, चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव और साफ-सफाई की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त, अस्पताल परिसर में स्वच्छता, बायो-मेडिकल वेस्ट निस्तारण और मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी जांच की गई। कायाकल्प योजना का मुख्य उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। टीम ने अस्पताल के रिकॉर्ड्स और स्टाफ की कार्यप्रणाली की भी जांच की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मानकों पर खरा उतरने वाले केंद्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।इस निरीक्षण के दौरान स्थानीय चिकित्सा अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से डॉ. राहुल कुमार, अभिषेक वर्मा, शैली यादव, सरोज सैनी, मनवीर सिंह, कृष्ण कुमार, डॉ. कुलदीप शर्मा, डॉ. अनामिका, डॉ. सीमा, प्रशांत कुमार, मुस्कान, सुनील कुमार, अमित कुमार, ममतेश कुमारी,

बछरायूं पुलिस ने पारिवारिक विवाद का कराया समझौता

पति-पत्नी को समझाकर घर भेजा,एक साथ रहने का लिया संकल्प

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना पुलिस ने एक पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद को सुलझाते हुए समझौता कराकर खुशी खुशी घर भेज दिया है।जिसके बाद दोनों पति-पत्नी ने एक बार फिर से साथ रहने का संकल्प लिया है। बता दें कि बछरायूं पुलिस ने एक परिवार को टूटने से बचाया है। पुलिस की सफल काउंसलिंग के बाद लंबे समय से अलग रह रहे पति-पत्नी ने एक-दूसरे को फिर से स्वीकार कर साथ रहने का फैसला किया।जानकारी के अनुसार, ग्राम ढाकोवाली, थाना बछरायूं निवासी पुष्पा देवी पत्नी बलवीर सिंह ने 11 फरवरी 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपने पति बलवीर सिंह (निवासी ग्राम कुदैना, थाना गजरौला) सहित पांच लोगों पर प्रताड़ना और पारिवारिक विवाद का आरोप लगाया था।थाना प्रभारी के निर्देश पर यह मामला परिवार परामर्श डेस्क को सौंपा गया। महिला उपनिरीक्षक संजोग तोमर और महिला हेड कांस्टेबल नीतू ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बुधवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया और आमने-सामने बिठाकर बातचीत कराई गई।प्रथम चरण की वार्ता के बाद, द्वितीय काउंसलिंग में पुलिस अधिकारियों ने पति-पत्नी को साथ रहने के लाभ और कानूनी विवादों से होने वाले नुकसान समझाए।

पुलिस की समझाइश का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि पुष्पा देवी और बलवीर सिंह अपने पुराने मतभेद भुलाने को तैयार हो गए।इसके बाद, दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से बिना किसी दबाव के एक साथ रहने का निर्णय लिया और थाने में लिखित समझौता किया। पुलिस टीम की इस पहल की ग्रामीणों और परिजनों ने सराहना की है।थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि छोटी-मोटी बातों पर परिवारों का बिखरना समाज के लिए उचित नहीं है, इसलिए इस मामले में समझौते को प्राथमिकता दी गई।

कौशल महोत्सव कार्यक्रम में 2400 से अधिक युवाओं को मिला रोजगार; जयन्त चौधरी ने सौंपे नियुक्ति पत्र

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने अमरोहा कौशल महोत्सव में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर अवसर पर उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर कौशल को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा आयोजित कौशल महोत्सव को अमरोहा और आसपास के जिलों के युवाओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। लगभग 4,000 उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए पहुंचे। विभिन्न क्षेत्रों में 2,400 से अधिक उम्मीदवारों का चयन किया गया और उन्हें नौकरी की पेशकश की गई। कार्यक्रम में 55 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, जिन्होंने ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स, हेल्थकेयर, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं व बीमा, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और सेवा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध कराए। यह कार्यक्रम एक सिंगल-विंडो मंच के रूप में आयोजित किया गया, जहां युवाओं को नौकरी, अप्रेंटिसशिप और करियर मार्गदर्शन की सुविधा एक ही जगह मिली। यह मंत्रालय की परिणाम आधारित कौशल प्रशिक्षण पर जोर को दशार्ता है। इस दौरान आज अमरोहा में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी अरुण यादव, डीडीजी और वी.एस. अरविंद, निदेशक, एमएसडीई भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे रडअफ झ स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस जैसी पहलों के माध्यम से अपने कौशल को लगातार निखारते रहें, ताकि वे नई तकनीक से जुड़ी नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। उन्हें इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के क्षेत्रीय चरणों में भी भाग लेना चाहिए, जो हर दो साल में आयोजित होते हैं, जहां अमरोहा जैसे जिलों के प्रतिभाशाली युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व भी कर सकते हैं। आज कौशल विकास का मतलब है स्थानीय प्रतिभा को आगे बढ़ाना और वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बनाना। ऐसे मंचों के जरिए ही अमरोहा जैसे जिले विकसित भारत 2047 के सपने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे,ह्व उन्होंने आगे कहा। कौशल महोत्सव को किसान ट्रस्ट का सहयोग मिला, जिसने जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क और जागरूकता के प्रयास किए। वहीं, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाई। अमरोहा कौशल महोत्सव मंत्रालय की चल रही जिला-स्तरीय पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवाओं तक उनके घर के पास ही रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर पहुंचाना है। इस कार्यक्रम में भारत के कौशल विकास तंत्र में हो रहे व्यापक बदलावों को भी रेखांकित किया गया, जिनमें पीएमकेवीवाई 4.0, एनएपीएस के तहत बढ़ाई गई अप्रेंटिसशिप और हाल ही में शुरू की गई योजना पीएम-सेतु के तहत आईटीआई का आधुनिकीकरण शामिल है। मंत्रालय ने देशभर में ऐसे कौशल महोत्सवों को और बड़े स्तर पर आयोजित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि समावेशी विकास को मजबूत किया जा सके और एक कुशल, आत्मविश्वासी तथा भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार किया जा सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी सहित पार्टी पदाधिकारी, सम्बंधित अधिकारी सहित भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

केनरा बैंक का सीबीआरसेटी बहजोई बना ग्रामीण युवाओं के लिए वरदान

स्वरोजगार प्रशिक्षण से सशक्त हो रहे युवा, 35 बीसी सखियों ने लिया रिफ्रेशर प्रशिक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केनरा बैंक का ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (CBRSETI) बहजोई केंद्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग और उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो युवाओं को स्वरोजगार की मजबूत राह प्रदान कर रहे हैं। संस्थान केवल केंद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि दूरदराज के गांवों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में मानव ग्रामीण विकास समिति के सहयोग से बहजोई ब्लॉक के एक गांव में बीसी सखियों के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग बैच का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह से

जुड़ी 35 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डीएमएम एनआरएलएम संभल शिराज अनवर ने किया। सीबीआरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि संस्थान जनसहयोग से केंद्र के बाहर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। अब तक यहां से 1800 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न कोर्स पूर्ण कर चुके हैं। इनमें से कई ने अपना स्वरोजगार शुरू किया है, जबकि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने इसे संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। वर्तमान में संस्थान में मत्स्य पालन और डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) के दो बैचों के माध्यम से 70 युवाओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भविष्य की योजनाओं के तहत आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री और बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट (बीसी) जैसे नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। साथ ही 1 फरवरी से डीटीपी तथा 15 फरवरी से पार्लर एवं सिलाई बैचों के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय, रोटरी क्लब भवन (सिल्वर स्टोन स्कूल के निकट), संभल रोड बहजोई पर संपर्क कर सकते हैं या 8808222447 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। केनरा बैंक की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दूर करने और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

महाशिवरात्रि, रमजान व होली को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- आगामी त्यौहारों महाशिवरात्रि, रमजान एवं होली को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने की। बैठक में जनपद के विभिन्न धर्मों के धार्मिक गुरु, संभ्रांत व्यक्ति एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान प्रशासन द्वारा शासन की गाइडलाइन की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी से आगामी पर्वों को आपसी भाईचारे और समन्वय के साथ मनाने की अपील की गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित लोगों से आपसी सहयोग बनाए रखने, किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक

या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने से बचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन की ओर से बताया गया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनपद में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, नियमित पैदल गश्त की जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की व्यवस्था रहेगी। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या, विवाद या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें और प्रशासन का सहयोग करें। सम्भल पुलिस ने आश्वस्त किया कि आगामी त्यौहारों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए वह पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आईजीआरएस बैंकिंग में चंदौसी तहसील प्रदेश में नंबर वन होने को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों की प्रशंसा की और उनसे निस्तारण के विषय में जानकारी प्राप्त की। डिफाल्टर संदर्भ को लेकर चर्चा की गयी एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी डिफाल्टर संदर्भ पोर्टल पर न दिखे। विभिन्न विभागों के लंबित सन्दर्भों पर चर्चा की गयी तथा अपर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि लंबित सन्दर्भों की समय से आख्या देना सुनिश्चित करें तथा संदर्भ

समय से निस्तारित हों तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। संतोषजनक एवं असंतोषजनक फीडबैक को लेकर भी चर्चा की गयी । अपर जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आईजीआरएस शिकायतों को गंभीरता से लें एवं उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। अपर जिलाधिकारी ने आईजीआरएस एवं हेल्पलाइन संदर्भ में संतुष्ट एवं असंतुष्ट फीडबैक के विषय में विभाग बार जानकारी दी और उसके विषय में अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चंदौसी तहसील के पैटर्न के आधार पर ही संबंधित शिकतों का निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, डिप्टी कलेक्टर विकास चंद्र, डिप्टी कलेक्टर नीतू रानी, उप जिलाधिकारी संभल रामानुज, जिला अग्रणी प्रबंधक केनरा बैंक ललित कुमार राय,अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष कुमार, आईजीआरएस पटल सहायक विलियम फातिमा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कार्यकताओं ने उनके जीवन दर्शन को अपनाने का लिया संकल्प

संभल(सब का सपना):- भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं प्रखर विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर बुधवार को संभल नगर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मण्डल हयातनगर के सेक्टर मनोकामना में संपन्न हुआ, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सेक्टर प्रभारी एवं बूथ अध्यक्ष सय्यद शान अली, सेक्टर संयोजक खुशीर्दा बेगम, गुलजार अंसारी, निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, बूथ अध्यक्ष

सारभ खान, मोहम्मद जुबेर, मोहम्मद इस्लाम नकवी, परवीन जहाँ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का सिद्धांत देकर भारतीय राजनीति को नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने का संदेश दिया, जिसे अंत्योदय के रूप में जाना जाता है। आज भी उनके विचार समाज और राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक हैं। सभा में उपस्थित कार्यकताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन हमें समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलकर ही एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समरस भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

22 फरवरी को चंदौसी में लगेगा मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल द्वारा आगामी 22 फरवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चंदौसी, जनपद संभल में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल डॉ. विदुषी सिंह की अध्यक्षता एवं प्रभारी सचिव आदित्य सिंह की उपस्थिति में जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य समाज के निर्बल, वंचित, महिला, वृद्धजन, दिव्यांग, बच्चों तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराना है। शिविर में निःशुल्क कानूनी

सलाह, विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से योजनाओं का पंजीकरण, भूमि विवाद समाधान, स्वास्थ्य परीक्षण, पेंशन, श्रम, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पॉक्सो अधिनियम से संबंधित सहायता, घरेलू हिंसा अधिनियम-2005 के अंतर्गत सहायता, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजनाएं, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, कौशल विकास योजना आदि का लाभ भी पात्र व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा। बैठक में जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को शिविर में लाभान्वित कराएं। बैठक में अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पांडेय, जिला विकास अधिकारी राम अशीष, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, डॉ. दिविजय सिंह, पूर्ति निरीक्षक आशिष गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल (चंदौसी) द्वारा दी गई।

बाबूराम प्रेमराज सिंह कान्वेंट स्कूल में विदाई सह सम्मान समारोह संपन्न

संभल/बहजोई (सब का सपना):- बाबूराम प्रेमराज सिंह कान्वेंट स्कूल, बहरौली ताहरपुर में बुधवार को विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंधक चन्द्रभान सिंह एवं प्रधानाचार्य ब्रह्मपाल सिंह रहे। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का वातावरण बन गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि चन्द्रभान सिंह एवं प्रधानाचार्य ब्रह्मपाल सिंह ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति के जीवन को नई दिशा और ऊंचाइयां प्रदान करती

है। अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 9 एवं 10 के उन छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया था और जिनकी छात्रवृत्ति राशि उनके खातों में स्थानांतरित हो चुकी है। प्रबंधक चन्द्रभान सिंह द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह, गर्व और आत्मविश्वास स्पष्ट झलक रहा था। बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार की ओर से शत-प्रतिशत परिणाम लाने के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सभी विद्यार्थियों के लिए मिष्ठान एवं जलपान की व्यवस्था की गई। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के मन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता की प्रेरणा का संचार किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2026 को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंदौसी में जोनल/सेक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक एवं प्रशिक्षण जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से 12 मार्च तक जनपद के 77 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें कुल 51,427 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई जाएगी। जनपद को 3 जोन व 14 सेक्टर में विभाजित कर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है तथा 3335 कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता व सख्ती के साथ कराई जाए। नकल या अनुचित साधनों के प्रयोग पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2024 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों में नेत्र बसंत प्रोजेक्ट के अंतर्गत मोतियाबिंद की निशुल्क जांच

नेत्र परीक्षण के लिए अधिक से अधिक लोगों को किया जाए जागरूक:-जिलाधिकारी

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रोजेक्ट नेत्र वसंत के अंतर्गत अंधत्वकारी मोतियाबिंद मुक्त ग्रामों का अभिनंदन तथा ग्राम प्रधानों एवं प्रशिक्षित आशा कार्यकताओं का अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रोजेक्ट नेत्र वसंत जनपद संभल में जुनावाई ब्लॉक में शुरू किया गया था। ग्रामीण नेत्र स्वास्थ्य परियोजना जिसे चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के सहयोग एवं साइट सेवर्स इंडिया के द्वारा शुरू किया गया और सी एल गुप्ता नेत्र संस्थान मुरादाबाद के द्वारा सफलतापूर्वक लागू किया गया। इस परियोजना की शुरूआत जून 2025 में की गई, जिसका लक्ष्य था घर-घर जाकर प्राथमिक नेत्र जांच के माध्यम से आंखों की जांच करना एवं नेत्र जांच शिविरों का आयोजन कराना शिविरों के माध्यम से जिन लोगों में मोतियाबिंद की पहचान हुई उन्हें

निशुल्क नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराकर उनकी सफल सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत ऐसे लोगों तक पहुंच बनाई गई, जिनकी दोनों आंखों में मोतियाबिंद के कारण अंधत्व बढ़ रहा था । ऐसे बीएलबीसी (BLBC) रोगियों को संभव उपचार देकर उन्हें अंधत्व से छुटकारा दिलाया गया साथ ही उन गांवों को जहां बीएलबीसी की श्रेणी में अब कोई मरीज नहीं आता बीएलबीसी फ्री घोषित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा की इस संपूर्ण परियोजना में ग्राम प्रधानों का विशेष योगदान रहा इसी के अंतर्गत 94 आशा कार्यकताओं को इस प्रोजेक्ट की ट्रेनिंग देकर उन्हें इस प्रोजेक्ट में सहभागी बनाया गया सी एल गुप्ता नेत्र संस्थान की आउट रिच टीम एवं आशा बहनों ने मिलकर 21037 से भी ज्यादा लोगों की निशुल्क नेत्र जांच की एवं पाए गए 1842 मोतियाबिंद के मरीजों की सर्जरी करवाने में सफलता हासिल की। जिलाधिकारी ने कहा कि 5 वर्ष का यह प्रोजेक्ट आगामी समय में जनपद को मोतियाबिंद मुक्त करने में सक्षम होगा। जिलाधिकारी ने कहा

कि नेत्र परीक्षण कराने हेतु लोगों को निचले स्तर पर अधिक से अधिक जागरूक किया जाए जिससे उनका सही उपचार किया जा सके। संस्थान की ट्रस्टी शिखा गुप्ता ने बताया कि हमारे प्रस्तावित आंकड़ों से या निर्धारित किए गए लक्ष्य से कहीं ज्यादा स्क्रीनिंग एवं सर्जरी हमारी टीम के द्वारा करवाई गई जो कि काबिले तारीफ है संस्थान की वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर आशी खुराना ने बताया कि बढ़ता अंधापन समाज एवं समुदायों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती भी है और एक बोझ भी है। राष्ट्र की उन्नति के लिए यह जरूरी है कि सही उपचार सही समय पर ग्रामीण अंचल तक पहुंच सके इसी उद्देश्य से हमारा नेत्र वसंत प्रोजेक्ट सूनी आंखों में रोशनी लाने का काम कर रहा है। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी निदेर्शों के क्रम में 35 गांव के प्रधानों को सम्मान पत्र देकर उनके गांव को बीएलबीसी फ्री घोषित किया गया तथा 94 आशा बहनों को ट्रेनिंग प्रमाण पत्र देकर उनकी हौसला अफजाई की गई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने सी एल गुप्ता परिवार को उनकी सेवा भाव के लिए धन्यवाद प्रेषित किया और संभल प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह भी घोषणा की गई के प्रथम चरण में जूनाबाई ब्लॉक के गांव पर कार्य किया गया एवं अगले माह से गुन्नौर ब्लॉक में नेत्र वसंत प्रोजेक्ट की सेवाएं लागू की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी गरिमा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट हेड लोकेश चौहान,आउट रीच मैनेजर श्री सत्य प्रकाश शर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ राज सिंह सीनियर कॉर्डिनेटर रवि श्रीवास्तव आयुष भटनागर , शान ए आलम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज विश्नोई, संस्था की ट्रस्टी शिखा गुप्ता, वाइस चेयरमैन डॉ आशी खुराना,सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं आशा तथा ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

जिला महिला अस्पताल का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, रात्रि ड्यूटी में स्टाफ की कमी पर जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बीती देर रात्रि जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अपेक्षाकृत कम स्टाफ पाए जाने पर उन्होंने तत्काल उपस्थिति पंजिका तलब की। जांच में पाया गया कि पंजिका में कर्मचारियों के नाम तो दर्ज थे, किंतु किसी भी कर्मचारी का ड्यूटी समय अंकित नहीं था, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि कौन-सा कर्मचारी दिन अथवा रात्रि शिफ्ट में तैनात है। इस अव्यवस्था पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि

शिफ्टवार ड्यूटी का स्पष्ट निर्धारण किया जाए तथा अलग से व्यवस्थित उपस्थिति पंजिका तैयार की जाए, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने एनआईसीयू एवं चाइल्ड वार्ड का निरीक्षण किया और अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वार्डों में किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं दिखनी चाहिए तथा भर्ती मरीजों की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों एवं बच्चों के अभिभावकों से अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली। अभिभावकों ने बताया कि उन्हें दवाएं एवं अन्य चिकित्सीय सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में अनुशासन, स्वच्छता और समयबद्ध ड्यूटी व्यवस्था अनिवार्य है तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गौशालाओं में स्वच्छता, चारा और सुरक्षा पर जोर, सीसीटीवी अनिवार्य करने के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय गौ-संरक्षण समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अस्थायी एवं स्थायी गौशालाओं में स्वच्छता, पर्याप्त चारा और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश को चिन्हित कर तत्काल निकटतम गौशालाओं में शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए, ताकि दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने गौशालाओं की नियमित निगरानी के

लिए प्रवेश एवं निकास द्वार सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने को अनिवार्य बताया। चारागाह की भूमि से अवैध कब्जे हटाकर वहां नेपियर घास एवं अन्य हरे चारे का उत्पादन कराने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को संरक्षित गोवंश का शत-प्रतिशत टीकाकरण एवं ईयर-टैगिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को गौशालाओं का नियमित निरीक्षण कर लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला परिचालक से छेड़छाड़ पर मनचले की पिटाई, रोडवेज परिसर में हंगामा

बिजनौर (सब का सपना):- स्थानीय रोडवेज परिसर में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब एक महिला परिचालक से छेड़छाड़ करने वाले मनचले को मौके पर ही लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी युवक ने महिला परिचालक के साथ अभद्र व्यवहार किया। घटना से आक्रोशित महिला परिचालक ने तुरंत विरोध किया, जिसके बाद रोडवेज कर्मचारियों ने युवक को पकड़ लिया। कर्मचारियों और महिला परिचालक ने उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसे से पिटाई कर दी।घटना के दौरान परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं को लेकर कर्मचारियों में रोष था, जिसके चलते यह प्रतिक्रिया सामने आई। घटना के बाद व्यवस्था सामान्य कर दी गई।

कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं ने दिया ज्ञापन

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम की गैरमौजूदगी में कानूनगो को सौंपकर चारों श्रम कानून वापस लिये जाने की मांग की। गुरुवार को भाकपा के शराफत हुसैन के नेतृत्व में पार्टी के बढ़ापुर के कार्यकताओं द्वारा एसडीएम की गैरमौजूदगी में कानूनगो को सौंपे गये ज्ञापन में कहा

गया है कि मजदूर विरोधी चार श्रम कानून को वापस ले जाने की मांग को लेकर 12 फरवरी 2026 को संपूर्ण भारतवर्ष में हड़ताल है ज्ञापन में अमेरिका के दबाव में मोदी सरकार द्वारा किसानों के हितों के विरुद्ध लिये गये व्यापारिक समझौता निरस्त करने व मनरेगा कानून को बहाल किये जाने की मांग की गई है ज्ञापन देने वालों में पार्टी के शराफत हुसैन सहित हरपाल सिंह ,हरकिशन सिंह ,सलीम अंसारी ,मौहम्मद शहजाद ,जियाउल इस्लाम ,असलम ,जहीर कुरैशी ,साजिद ,मूसा ,संजीव कुमार आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

डिजिटल मोड में होगी जनगणना-2027, बिजनौर में तैयारियां शुरू

बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना विकास योजनाओं की आधारशिला है, इसलिए सभी कार्य समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के लिए सुपरवाइजर व

प्रगणकों की सूची शीघ्र तैयार कर प्रशिक्षण कराया जाए। प्रथम चरण में मकानों का सूचीकरण होगा, उसके बाद जनसंख्या संबंधी आंकड़े संकलित किए जाएंगे। इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल मोड में होगी।

प्रगणक मोबाइल ऐप से घर-घर डेटा एकत्र करेंगे, वहीं नागरिकों को स्व-गणना की ऑनलाइन सुविधा भी मिलेगी। अधिकारियों को संसाधन, प्रशिक्षण व समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने नागरिकों से सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग की अपील की।

न्यायालय ने चार आरोपियों को सुनाई पांच-पांच साल की कारावास व अर्थदंड की सजा

किरतपुर /बिजनौर (सब का सपना):- ऑपरेशन कंविंशन अभियान के क्रम मे बिजनौर पुलिस व अभियोजन विभाग द्वारा कि गई प्रभावी पैरवी मे एक वर्ष पूर्व हुए विवाद के मामले मे न्यायालय ने सुनवाई करते हुए चार आरोपियों को दोषी साबित करते हुए पांच-पांच साल की कारावास व अर्थदंड से दण्डित करते हुए अपना फैसला सुनाया। न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 17 जनवरी 2024 को पीड़ित द्वारा थाना किरतपुर मे तहरीर डी गई थी कि फुरकान पुत्र मजीद, मजीद पुत्र कालू, अमीर हसन उर्फ कल्लू पुत्र कालू शकील पुत्र मेहँदी निवासी ग्राम मोहोम्मदपुर रवा उर्फ रंगड़पुरा थाना किरतपुर द्वारा पीड़ित की भाभी व भतीजी के साथ गाली गलोच करते हुए जान से मरने की नियत से लाठी डंडो व इंटो से मारपीट की गई। जिस पर थाना किरतपुर पुलिस ने सम्बंधित धाराओं मे मुकदमा कायम किया ओर आरोप पत्र न्यायालय मे पेश करते हुए स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सेल द्वारा न्यायालय मे सशक्त प्रभावी पैरवी की गई व अभियोजन की कार्यवाही कराई गई। जिस पर न्यायालय ए.डी.जे. पोस्को अधिनियम ने बुधवार को फुरकान, मजीद, अमीर हसन व शकील को पांच पांच साल की कठोर कारावास व 88000 रुपय के अर्थदंड से दण्डित करते हुए अपना फैसला सुनाया।

माप विज्ञान अधिकारी ने तौल कांटों पर बाट रखकर किया चैक

द्वारकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड बुन्दकी का मामला

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नियंत्रक विधिक माप विज्ञान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेशों पर विधिक माप विज्ञान अधिकारी प्रशांत त्रिपाठी द्वारा द्वारकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड बुन्दकी के तौलन पटों की शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। मिल गेट पर पहुंचकर अधिकारियों ने तौल कांटों पर बाट रखकर उन्हें चेक किया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। अभियान के अंतर्गत मोबाइल वेब्रिज

टेस्टिंग वैन के माध्यम से मिल गेटों पर स्थापित इलेक्ट्रॉनिक तौलनपटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तौलनपटो द्वारा प्रदर्शित वजन विधिक माप विज्ञान अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत निर्धारित मानक सीमाओं के अनुरूप पाए गए। विधिक माप विज्ञान अधिकारी द्वारा बताया गया कि किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की औचक जाँच एवं प्रवर्तन कार्यवाही आगे भी निरंतर समय समय पर जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान समस्त गन्ना विभाग के अधिकारी भी कार्यवाही के दौरान मौजूद रहे।

अज्ञात बाइक की टक्कर से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पैट्रोल पंप के सामने हुआ हादसा, अस्पताल में तोड़ा दम

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा क्षेत्र में ठाकुरद्वारा मार्ग पर हुए सड़क हादसे में इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना पैट्रोल पंप के सामने और बैंकट हॉल के पास की बताई जा रही है, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से यह दर्दनाक हादसा हुआ। मृतक की पहचान भारत सिंह (50) पुत्र शिव चरण निवासी शरीफ नगर, थाना ठाकुरद्वारा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह नगीना क्षेत्र में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और बृहस्पतिवार को वापस अपने घर शरीफ नगर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी अज्ञात बाइक या वाहन ने उनकी इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। राहगीरों की मदद से घायल अवस्था में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को अवगत कराया। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी रेखा समेत परिजन अस्पताल पहुंचे और रोते-बिलखते नजर आए।

मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। बताया गया कि उनकी बेटी एक विभाग में नौकरी करती है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

न्यायालय ने हत्या के आरोपी 05 अभियुक्तो को सुनाई आजीवन कारावास व 01 लाख 40 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा

बिजनौर (सब का सपना):- "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के क्रम में बिजनौर पुलिस एवं अभियोजन विभाग द्वारा की गई प्रभावी पैरवी से न्यायालय द्वारा हत्या के आरोपी 05 अभियुक्तो को आजीवन कारावास व 01 लाख 40 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया । 06 जून 2024 को महबूब अहमद पुत्र शमीम अहमद निवासी ग्राम हिदायतपुर टाण्डा थाना अफजलगढ द्वारा थाने पर तहरीर दी गई कि अभियुक्त अखलाक पुत्र अली अहमद , आफताब पुत्र अली अहमद ,राशिद पुत्र मौ० उमर ,शहजाद पुत्र अली अहमद व रियासत पुत्र मौ० उमर निवासी ग्राम हिदायतपुर टाण्डा थाना अफजलगढ व शमीम पुत्र बाबू निवासी ग्राम मीरापुर मोदीवाला थाना अफजलगढ जनपद बिजनौर द्वारा पुराने मुकदमेबाजी की रंजिश को लेकर एक राय होकर वादी के चाचा नसीम अहमद उर्फ बाबू को तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अफजलगढ पर मु0अ0सं0 190/2024 धारा 147/148/149/302/34 भादवि पंजीकृत किया गया। विवेचना उपरांत पुलिस द्वारा आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया।

इस अभियोग में स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सैल द्वारा न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गयी एवं अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप बुद्धवार को न्यायालय एडीजे, नगीना जनपद बिजनौर द्वारा अखलाक, राशिद , शहजाद , रियासत निवासी ग्राम हिदायतपुर टाण्डा थाना अफजलगढ जनपद बिजनौर व शमीम पुत्र बाबू निवासी ग्राम मीरापुर मोदीवाला थाना अफजलगढ जनपद बिजनौर को आजीवन कारावास व 1 लाख 40 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

श्री विदुर गुरु गृह इण्टर कालेज में कक्षा 11के छात्र छात्राओं ने कक्षा 12 के छात्र छात्राओं को दी विदाई

गंज /बिजनौर (सब का सपना):- श्री विदुर गुरु गृह इण्टर कालेज दारानगर विदुरकुटी के प्रांगण में आयोजित विदाई समारोह में कक्षा 11के छात्र छात्राओं द्वारा कक्षा 12 के छात्र छात्राओं को भावपूर्ण विदाई दी गई । कार्यक्रम का प्रारंभ कालेज के प्रधानाचार्य कैलाशचंद व उप प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित करके किया । इसके पश्चात कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा अनिल कुमार व मेघना शर्मा के मार्गदर्शन में देवांश शर्मा कशिश देवल स्वाति राजपूत फलक द्वारा दी गई अनेक मोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम में कक्षा 12 मे छात्र छात्राओं ने प्राप्त संस्कारों की प्रशंसा करते हुए अपने अनुभवों और यादों

को साझा किया गया कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य कैलाश चंद ने उपस्थित छात्र छात्राओं को जीवन में नैतिक मूल्यों और अनुशासन को अपनाने का संदेश देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । वरिष्ठ अध्यापक ज्ञानेद्र सिंह ने बोर्ड परीक्षा के लिए छात्रछात्राओं को शुभकामना देते हुए उन्हें हर परिस्थिति में आगे बढने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम में निरंजन लाल ओमप्रकाश दिनकर सिंह अरुण त्यागी अखिलेश चन्द्र शर्मा रवि प्रकाश आर्य सुशील चौधरी जसवीर सिंह देवेंद्र सिंह सुमित कुमार संजय सक्सेना अरविद कुमार अंशुल कुमार बबीता सिंघल प्रेरणा शर्मा सुषमा खन्ना दीना रानी विकासना छवि शिव नंदन यादव आदि ने भी छात्र छात्राओं को आशीर्वाद दिया । प्रधानाचार्य द्वारा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । कार्यक्रम का संचालन रिया जिन्दल द्वारा किया गया ।

आस्था का सैलाब, सुरक्षा का सशक्त पहरा, कांवड़ मार्गों पर मुस्तैद दिखी बिजनौर पुलिस

बिजनौर (सब का सपना):- सावन माह में उमड़ी लाखों शिवभक्तों की आस्था के बीच कांवड़ यात्रा मार्गों पर बिजनौर पुलिस पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रकाश कुमार ने सीओ नगीना अंजनी कुमार, थाना कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक प्रवेश कुमार सहित पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत हिंदूपुर बॉर्डर, अकबराबाद चौकी चौराहा, गौसपुर चौराहा तथा नहटौर तिराहे सहित प्रमुख कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया kनिरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक

दिशा-निर्देश देते हुए सतर्कता, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मार्गों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौसपुर तिराहे पर अधिकारियों द्वारा सैकड़ों शिवभक्तों को फल एवं दूध वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया गया। इस दौरान पुलिस की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि सेवा और संवेदनशीलता का भी अद्भुत संगम देखने को मिला। जब आस्था लाखों की संख्या में उमड़ी, तब बिजनौर पुलिस ने कड़े पहरे और मानवीय सहयोग के साथ यह संदेश दिया कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली एमसीडी का बड़ा फैसला, अब एमटीएस कर्मियों को मिलेगा 27,900 रुपये वेतन

नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी बजट से ठीक पूर्व एमसीडी ने एमटीएस कर्मियों को एक समान वेतन देने की घोषणा की है। महापौर राजा इकबाल सिंह, नेता सदन प्रवेश वाही व स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने यह जानकारी दी। बताया कि अब सभी डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स को एक समान वेतन 27,900 रुपये मिलेगा। जिससे करीब चार हजार कर्मियों को फायदा होगा। पहले यह अंतर करीब नौ हजार का है। एक समान वेतन की मांग को लेकर मल्टी टास्किंग वर्कर्स (एमटीएस) ने पिछले वर्ष 33 दिनों तक काम रोककर धरना भी दिया था। जिसमें उन्हें नियमित करने समेत अन्य मांगें थीं। तब निगम ने एक कमेटी का गठन किया था।

अरविंद केजरीवाल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, बरी करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देगी ईडी

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच एजेंसी द्वारा जारी समन का पालन नहीं करने के मामले में बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देगा। ईडी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष दी। ईडी ने यह जानकारी तब दी जब अरविंद केजरीवाल के वकील ने ईडी द्वारा आप नेता को जारी समन को चुनौती देने वाली याचिका वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि ईडी के सामने पेश न होने के कारण दर्ज मामलों में उन्हें बरी कर दिया गया है। इसके बाद कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। इससे पहले, 22 जनवरी को अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने ईडी द्वारा दायर मामलों में बरी कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जारी समन का पालन नहीं किया।

दिल्ली के बवाना में चाकू से गोदकर किशोर की हत्या, चार नाबालिग समेत सात गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। राजधानी में एक बार फिर नाबालिगों ने अपने साथियों के साथ मिलकर 17 वर्षीय किशोर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बवाना की जेजे कॉलोनी में बुधवार रात आधा दर्जन से अधिक हमलावरों ने 17 वर्षीय किशोर को झंडा चौक पर घेरकर पहले पीटा और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। अस्पताल में किशोर को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चार नाबालिग समेत सात युवकों को पकड़ लिया है। पुलिस हत्या में प्रयुक्त चार चाकू भी बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि मृतक किशोर और हमलावर आपस में जानते थे, किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में दुश्मनी चल रही थी, इसी को लेकर यह हत्या हुई है। एमएलसी रिपोर्ट में मृतक की छाती और शरीर के दूसरे हिस्सों पर चाकू के कई जानलेवा घावों का जिक्र है। साजिश का पदार्फाश करने में जुटी पुलिस यह सनसनीखेज वारदात बाहरी-उत्तरी दिल्ली जिले के बवाना स्थित जेजे कॉलोनी के ईई-ब्लॉक में बुधवार रात नौ बजे के आसपास हुई। पुलिस को वारदात की सूचना रात 9:36 मिनट पर मिली। पुलिस पूठखुर्द के महर्षि वाल्मीकि अस्पताल पहुंची तो किशोर की मौत हो चुकी थी। शिकायकर्ता ने पुलिस को बताया कि कल रात लगभग साढ़े आठ बजे आरोपित ने किशोर को रोका। इसके बाद कुछ लोगों के उकसाने पर युवकों के समूह ने उस बेरहमी से हमला किया। कुछ ने लात-मुक्के मारे की। चार आरोपित ने चाकू से हमला किया। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि आरोपित की निशानदेही पर अपराध में प्रयुक्त चार चाकू बरामद किए हैं। साजिश की पूरी चेन का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। घटना में मोहम्मद फारुख नाम के एक व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली के छतरपुर में जमकर गरजा बुलडोजर, नोटिस के बाद अवैध निमार्णों को किया ध्वस्त

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर और सैदुलाजाब इलाके में बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। एमसीडी के साउथ जोन के बिल्डिंग विभाग की टीम ने 100 फुटा रोड पर कई जगहों पर बने अवैध ढांचों को तोड़ा। कार्रवाई के लिए एमसीडी की टीम मशीनों के साथ पहुंची और तीन बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण गिराए गए। इस दौरान कड़ी सुरक्षा के बीच हल्दीराम के पास स्थित संपत्ति, नाथू स्वीट्स के सामने बना ढांचा, अग्रवाल धर्मशाला के नजदीक का निर्माण और डोमिनोज-रुद्रांश के पास अवैध निर्माण ढहाए गए। निगम अधिकारियों के मुताबिक, इन अवैध निमार्णों के खिलाफ शिकायतें मिली थी। नियमों के तहत नोटिस देने के बाद यह कार्रवाई की गई है। बगैर मंजूरी के या नियमों के खिलाफ किए गए अवैध निमार्णों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

'कम से कम दो दर्जन बार पैसे चुकाने का किया वादा लेकिन रहे नाकाम', राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की जमानत याचिका को लेकर आज गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि आपने अपने वादे को नहीं निभाया, इसलिए जेल जाना पड़ा है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 फरवरी की तारीख तय की है। परिवार में शादी के आधार पर जमानत की मांग को लेकर अभिनेता राजपाल यादव की तरफ से दायर याचिका पर मौखिक टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आपके मुवक्किल जेल इसलिए गए, क्योंकि उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया। पैसे देने का वादा पूरा नहीं किया न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि कम से कम दो दर्जन मौकों पर राजपाल यादव ने बयान दिया कि वह अपना वादा पूरा करेंगे और पैसे देंगे, लेकिन ऐसा करने में नाकाम रहे। दिल्ली हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए सोमवार (16 फरवरी) की तारीख तय की है। कोर्ट ने कहा, आपको (शिकायतकर्ता) जवाब फाइल करना होगा। जब मैं फाइल देख रहा था, तो बहुत सी ऐसी बातें थीं जिनके बारे में हमें पता भी नहीं था। उन्होंने पहले ऑर्डर को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया है और सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कोई राहत नहीं दी। लेकिन, हम सोमवार को इस मामले में सुनवाई

करेंगे। राजपाल यादव के वकील का कहना है कि मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की लेकिन नहीं कर पाया। मैंने बेल एप्लीकेशन फाइल की है। दूसरी तरफ से जवाब मांगा जा सकता है। केस सोमवार तक के लिए टाला गया है। मैं तब तक कुछ न कुछ लेकर आऊंगा। अभिनेता राजपाल यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर चेक बाउंस मामले में जेल में आत्मसमर्पण किया था। यह मामला 2010 का है, जब उन्होंने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये का

दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने टिप्पणी की कि राजपाल को जेल इसलिए जाना पड़ा क्योंकि उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि राजपाल ने कई बार वादा किया था कि वे पैसे चुकाएंगे

कर्ज लिया था। कर्ज चुकाने में विफल रहने पर चेक बाउंस हुए, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें आत्मसमर्पण का आदेश दिया। तिहाड़ जेल नंबर में बंद हैं राजपाल यादव राजपाल यादव एक गंभीर कानूनी संकट का सामना कर रहे हैं। नौ करोड़ के चेक बाउंस केस में राजपाल यादव दिल्ली की तिहाड़ जेल नंबर 2 में बंद हैं। उन्हें उसी तिहाड़ जेल नंबर 2 में रखा गया है, जहां कुख्यात गैंगस्टर छोटा राजन और नीरज बवाना भी बंद हैं, लेकिन एक्टर के लिए कोई खास इंतजाम नहीं किया गया है। सूत्रों की मानें तो एक्टर राजपाल यादव की दिनचर्या पूरी तरह जेल नियमों के अनुसार चल रही है। सुबह ठीक छह बजे उन्हें बैरक से बाहर निकलने दिया जाता है, जहां उन्हें नित्य क्रिया के बाद चाय और नाश्ता दिया जाता है। दिनभर जेल के अंदर रहने के बाद शाम छह बजे उन्हें रात का खाना दिया जाता है। जेल के अन्य कैदी उनसे मिलने के लिए उत्सुक रहते हैं, लेकिन सख्त सुरक्षा के चलते किसी को भी उनके पास नहीं आने दिया जा रहा है।

दिल्ली में स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती पर भव्य समारोह, नेताओं ने किया याद

नई दिल्ली। देश के महान किसान और मजदूर नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती का कार्यक्रम युवा चेतना की देखरेख में नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, भारत के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, भारत सरकार के टेक्सटाइल्स कैबिनेट मिनिस्टर गिरिराज सिंह, भारत सरकार के जल शक्ति विभाग के राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद, युवा चेतना के नेशनल कन्वीनर रोहित कुमार सिंह, संपूणानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. बिहारी लाल शर्मा समेत दूसरे गणमान्य लोगों ने दीप जलाकर स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती का उद्घाटन किया। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने जीवन भर

समाज के गरीब और कमजोर तबके के पूरे विकास के लिए काम किया। स्वामी सहजानंद सरस्वती सामाजिक न्याय आंदोलन के नेता थे।भारत के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती वंचितों के भगवान थे। जस्टिस गवई ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती एक अमीर परिवार में पैदा हुए थे, लेकिन समाज के कमजोर लोगों की भलाई के लिए लड़ते रहे। जस्टिस गवई ने कहा कि युवा चेतना के नेशनल कन्वीनर रोहित कुमार सिंह समाज में अच्छा काम कर रहे हैं। भारत सरकार के टेक्सटाइल्स कैबिनेट मिनिस्टर गिरिराज सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने जमींदारी सिस्टम के खिलाफ और समाज के आखिरी व्यक्ति के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए बहुत अच्छी कोशिशें कीं। मिस्टर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों और मजदूरों के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए कमिटेड है। मिस्टर सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के लीडर राहुल गांधी को पैसे और गेहूं में फर्क नहीं पता। भारत सरकार के जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती गरीबों, किसानों और मजदूर वर्ग के महान नेता थे।फंक्शन की अध्यक्षता करते हुए, युवा चेतना के नेशनल कन्वीनर रोहित कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती सामाजिक न्याय के मसीहा थे। श्री सिंह ने कहा कि देश भर में स्वामी सहजानंद सरस्वती के वंशज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। श्री सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती गरीबों के हितों की लड़ाई में एक नेता थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों और मजदूरों का राज है। संपूणानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती एक क्रांतिकारी व्यक्ति थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण के लिए

दिल्ली में लोकल ट्रेनें डेढ़ घंटे तक चल रही लेट, यात्रियों की बढ़ी परेशानी; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। दैनिक यात्रियों की परेशानी दूर नहीं हो रही है। आज बृहस्पतिवार को भी कई लोकल ट्रेनें आधे घंटे से लेकर डेढ़ घंटे के विलंब से चल रही है। इससे लोकल ट्रेन के माध्यम से कार्य स्थल पर जाने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। वहीं, बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली आने वाली लंबी दूरी की अधिकांश ट्रेनें समय पर या दो घंटे के कम समय के विलंब से चल रही हैं। सिर्फ डॉ. आंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा मालवा एक्सप्रेस और दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष अधिक देरी से चल रही हैं। वापसी दिशा में नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष एक घंटे के विलंब से रवाना होगी। रेवाड़ी-पुरानी दिल्ली पैसेंजर डेढ़ घंटे, सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर एक घंटे, बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू, सहारनपुर-पुरानी दिल्ली एमईएमयू, बल्लभगढ़-शकूरबस्ती ईएमयू व कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू 45 मिनट और पानीपत-पुरानी दिल्ली ईएमयू, कुरुक्षेत्र-पुरानी दिल्ली ईएमयू, जाखल-पुरानी दिल्ली पैसेंजर, पानीपत-नई दिल्ली महिला विशेष ईएमयू व हिसार-नई दिल्ली पैसेंजर आधे घंटे के देरी से चल रही हैं।

लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली कोर्ट से फौरी राहत, लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से फौरी राहत मिली है। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोप तय करने पर अपना ऑर्डर सुरक्षित रख लिया है। यह केस लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और दूसरे 16 आरोपियों के खिलाफ है। अब इस मामले में अदालत 3 मार्च को फैसला दे सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, आआरसीटीसी घोटाले के मामले में बुधवार (11 फरवरी) को आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पूर्व रेल मंत्री नेता लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव की याचिका का सीबीआई ने दिल्ली

हाई कोर्ट में विरोध किया। सीबीआई ने तर्क दिया था कि लालू सहित अन्य यह तर्क देकर मुकदमें से बच नहीं सकते कि जब ट्रायल कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया था तब उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी नहीं थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सीबीआई की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल डी पी सिंह ने कहा था कि याचिकाकताओं पर मुकदमा चलाने के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत मंजूरी लेना अनिवार्य नहीं था। उन्होंने अदालत को बताया कि इस संबंध में मार्च 2020 में तत्कालीन अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने भी राय दी थी। डीपी सिंह ने आगे कहा था कि चूंकि मामला लंबा खिंच रहा था, इसलिए बाद में कानून के अनुसार मंजूरी ली गई थी। डीपी सिंह ने कहा था कि मंजूरी की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन मंजूरी ले ली गई। मंजूरी उस समय ली गई जब धारा 207 (सीआरपीसी) के तहत कार्यवाही चल रही थी। इसलिए, इससे कोई पूर्वाग्रह उत्पन्न नहीं हुआ। 13 अक्टूबर 2025 को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और 11 अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के कथित अपराधों के लिए आरोप तय किए थे। निर्णय के खिलाफ लालू, राबड़ी देवी और तेजस्वी ने कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 या दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 के तहत मंजूरी के अभाव में संज्ञान लिया।

प्रिया सचदेवा ने दिल्ली हाईकोर्ट में दायर किया मानहानि केस, ननद और पॉडकास्टर पर 20 करोड़ का दावा

नई दिल्ली। प्रिया सचदेवा कपूर ने अब अपनी ननद मंदीरा कपूर स्मिथ और एक पॉडकास्टर के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 20 करोड़ रुपये का सिविल मानहानि का मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि पॉडकास्ट, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर दिए गए बयानों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। प्रिया सचदेवा कपूर इससे पहले भी इन्हीं कथित बयानों को लेकर मंदीरा कपूर स्मिथ के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। यह कानूनी लड़ाई आरके फैमिली ट्रस्ट और संपत्ति से जुड़े चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच सामने आई है। प्रिया सचदेव कपूर कौन हैं? प्रिया का जन्म दिल्ली के एक कारोबारी परिवार में हुआ। उनके पिता अशोक सचदेव एक ऑटोमोबाइल डीलर हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) से गणित और व्यापार प्रबंधन की पढ़ाई की और यूसीएलए में भी कुछ समय पढ़ाई की। शुरूआत में प्रिया ने मॉडलिंग से सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने 2005 की बॉलीवुड फिल्म नील एन निक्की में एक छोटा सा रोल भी किया। उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह इस समय सोना कॉमस्टार में गैर-कार्यकारी निदेशक हैं और कपूर परिवार की निवेश कंपनी 'ऑरियस इंवेस्टमेंट' की निदेशक हैं। क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन से की पेशेवर करियर की शुरूआत उन्होंने पेशेवर करियर की शुरूआत लंदन में क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन के मर्जर एंड एक्विजिशन डिवीजन से की। इसके बाद भारत लौटकर उन्होंने ऑटोमोबाइल रिटेल, इंश्योरेंस, फैशन और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में काम किया। बाद में उन्होंने टीएसजी इंटरनेशनल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी शुरू की और रॉक एन शॉप नाम के लग्जरी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सह-संस्थापक रहीं। वह ऑरियस पोलो टीम की लीडर भी हैं, जिसे उनके पति संजय कपूर ने शुरू किया था।

फ्री में नहीं मिला विदेशी युवक को होटल में कमरा, फिर खुद को मार लिया चाकू; अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में बिना पैसे के होटल में ठहरने नहीं देने पर एक विदेशी युवक ने खुद को चाकू मारकर घायल कर लिया। उसकी पहचान तुर्कमेनिस्तान निवासी 29 साल के जेहुन के रूप में हुई है। घटना के समय वह नशे में धुत था। होटल कर्मियों और मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मी ने उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां

उसका इलाज चल रहा है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि अभी तक कि जांच में पता चला है कि 11 फरवरी को वह किसी नशीली चीज के नशे में खराब हालत में होटल लौटा। इस दौरान कमरे की मांग की और कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं और वह फ्री में रहना चाहते हैं। होटल स्टाफ ने उसकी मांग ठुकरा दी और कहा कि कोई कमरा खाली नहीं है। कमरा खाली न होने की बात बताने पर जेहुन बहुत गुस्सा हो गया। उसने अपने पास मौजूद चाकू से अपना गला काटकर खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निर्माण श्रमिकों के 15 हजार से अधिक बच्चों को मिली सरकार से आर्थिक सहायता, रेखा गुप्ता ने किया योजनाओं का शुभारंभ

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली केवल इमारतों और सड़कों से नहीं बनती, बल्कि श्रमिकों के श्रम से बनती है। जो हाथ दिल्ली को गढ़ते हैं, उनकी सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की जिम्मेदारी हमारी सरकार की प्राथमिकता है। ये बातें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को त्यागराज स्टेडियम में निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए आर्थिक सहायता कार्यक्रम और गांवों से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं के शुभारंभ पर कहीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के 15,706 बच्चों के लिए 12.40 करोड़ रुपये से अधिक की पढ़ाई से जुड़ी सहायता राशि सीधे

बैंक खातों में ट्रांसफर की। साथ ही दो गांव में बने पंचायत घरों का उद्घाटन और 37 गांवों में 59 नई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ह्यअंत्योदयह्ण के सिद्धांत पर काम कर रही है, जिसका अर्थ है समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाना। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने श्रमिकों के कल्याण के लिए जमा भारी सेस फंड का कभी सही उपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है जब श्रमिक मजबूत होगा, तभी दिल्ली मजबूत बनेगी। कार्यक्रम में दिल्ली के श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजकुमार चौहान, श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। स्कूलों से

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्यागराज स्टेडियम में निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए आर्थिक सहायता कार्यक्रम और ग्रामीण विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने 15,706 बच्चों के खातों में 12.40 करोड़ रुपये से अधिक की शिक्षा सहायता राशि हस्तांतरित की। साथ ही, दो पंचायत घरों का उद्घाटन और 37 गांवों में 59 नई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की।

लेकर उच्च शिक्षा तक दे रहे आर्थिक मदद मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (डीबी ओसी डब्ल्यूडब्ल्यूबी) पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए शिक्षा सहायता योजना चला रहा है, इसके तहत विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा से लेकर आइटीआइ, पालिटेक्निक, इंजीनियरिंग, मेडिकल और एमबीए जैसे तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं दिल्ली में न्यूनतम मजदूरी देश में सर्वाधिक स्तर पर निर्धारित की गई है, जिसमें अन स्किल्ड श्रमिकों के लिए 18,456 रुपये, सेमी स्किल्ड श्रमिकों के लिए 20,371 रुपये और स्किल्ड श्रमिकों के लिए 22,411 रुपये प्रतिमाह तय किए गए हैं।

इसके अलावा दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का पुनर्गठन कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यों को नई गति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत 776 परियोजनाओं के प्रस्ताव दिए गए, जिनकी अनुमानित लागत 1715.05 करोड़ रुपये है।

टी20 विश्वकप : कप्तान दासुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था। बढ़ते आवश्यक रन रेट के आगे मध्य क्रम बिखर गया, हालांकि महेश थीक्षाना और दुनीथ वेल्लालगे ने दबाव बनाए रखा। अंततः ओमान ने अपने 20 ओवरों में 120/9 का स्कोर बनाया, जो लक्ष्य से काफी कम था।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं।' सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे।

कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

टी20 वर्ल्ड कप : मोस्का भाईयों की धमाकेदार बल्लेबाजी से इटली ने नेपाल को दस विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। मोस्का भाईयों की आक्रामक बल्लेबाजी से इटली ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल को दस विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की है। इटली की टीम की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। उसे पहले मैच में स्कॉटलैंड ने आसानी से हरा दिया था पर इस मैच से उसने धमाकेदार वापसी की है। इस मैच में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 19.3 ओवर में 123 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इटली ने केवल 12.4 ओवर में ही 124 रन बनाकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से जस्टिन मोस्का ने 44 गेंद में नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मोस्का भाइयों ने तेज शुरुआत की ओर दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। पहले चार ओवर में ही दोनों ने मिलकर 50 रनों से अधिक बना दिये। इसके बाद जब पावर प्ले में भी अच्छी बल्लेबाजी की। जस्टिन ने 44 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में 6 छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद 62 रन बनाये।

टी20 वर्ल्ड कप: ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी, रोहित-अभिषेक की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के सलामी बल्लेबाज़ ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने पावरप्ले बल्लेबाज़ी की नई मिसाल पेश कर दी। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए किशन ने मैच की दिशा शुरुआती छह ओवरों में ही तय कर दी। 24 गेंदों पर 61 रन की उनकी आक्रामक पारी में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिली। इस प्रदर्शन के साथ ईशान ने टी20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में भारत के लिए 50 रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाज़ों की सूची में अपनी जगह और मजबूत कर ली।

पावरप्ले में 50 रन: खास क्लब में भारतीय बल्लेबाज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले छह ओवर यानी पावरप्ले सबसे अहम माने जाते हैं। इसी दौरान मैच की रफ्तार तय होती है। भारत की ओर से 1-6 ओवर के भीतर 50 रन बनाने का कारनामा बहुत कम बल्लेबाज कर पाए हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि तीन बार हासिल की है। उनके बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने दो-दो बार पावरप्ले में 50 रन पूरे किए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी एक-एक बार यह कमाल कर चुके हैं।

टी20आई में भारत के लिए 1-6 ओवर में फिफ्टी

अभिषेक शर्मा (तीन बार)
रोहित शर्मा (दो बार)
ईशान किशन (दो बार)
केएल राहुल (एक बार)
यशस्वी जायसवाल (एक बार)

नामीबिया के खिलाफ ईशान का तूफान

दिल्ली में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। नामीबिया के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाते हुए उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। ईशान ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी पारी का सबसे खास पल रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 शानदार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय ओपनिंग रणनीति का नया चेहरा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाजों ने इसकी नींव रखी, जबकि अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने इसे आगे बढ़ाया। ईशान किशन का नाम इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि वह बड़े मंच पर भी आक्रामक खेल दिखाने में सक्षम हैं। उनकी बल्लेबाज़ी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांग के अनुरूप है—तेज रन, कम जोखिम और मैच पर शुरुआती नियंत्रण।

संजू सैमसन टी20 विश्व कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय बने, देखें टॉप 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और नामीबिया आमने-सामने हैं। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने आखिरकार टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 31 साल 93 दिन की उम्र में डेब्यू करते ही वह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले उम्रदराज खिलाड़ी- संजू सैमसन का यह डेब्यू सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि एक आंकड़ों वाला मुकाम भी है। भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के समय सबसे अधिक उम्र का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम है, जिन्होंने 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था। सैमसन अब इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे नीचे सूर्यकुमार यादव (31 साल 40 दिन, 2021 बनाम पाकिस्तान), आशीष नेहरा (31 साल 2 दिन, 2010 बनाम अफगानिस्तान) और लक्ष्मीपति बालाजी (30 साल 358 दिन, 2012 बनाम अफगानिस्तान) आते हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम में टी20 वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका कई बार अनुभवी खिलाड़ियों को भी देर से मिलता है।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई । इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली। इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

टी20 विश्व कप : भारत के लिए चिंताजनक खबर, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेगा ये धमाकेदार बल्लेबाज !

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ खेले गए मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच के दौरान उन्हें वायरल बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया। दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और पेट में संक्रमण का पता चला, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। हालांकि वे टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया और सिर्फ मैदान पर घूमते हुए नजर आए। कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि सलामी बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें वापसी के लिए एक या दो और मैच खेलने की जरूरत पड़ सकती है। सूर्यकुमार ने टॉस के बाद कहा कि अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, वे एक-दो मैच नहीं खेल पाएंगे। संजू टीम में आए हैं, वे भी अभिषेक जैसे ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं। बुमराह सिराज की जगह आए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय सलामी बल्लेबाज की सेहत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम फिलहाल अभिषेक की सेहत पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया कि अभिषेक शर्मा अभी भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर कड़ी नजर रख रही है।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे। फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

लियोनेल मेस्सी चोटिल, इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।'

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी। यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है। ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम को इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था।

पीएसएल 2026 सीज़न : स्टीव स्मिथ बने इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी, सियालकोट स्टैलियंस से जुड़े

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 11वें सीज़न से पहले हुए मेगा ऑक्शन ने क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सियालकोट स्टैलियंस ने डायरेक्ट साइनिंग के तहत PKR 14 करोड़ (करीब 5 लाख अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया, जिससे वह क्करु इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। लीग के प्रारूप में बड़े बदलाव, दो नई फ्रेंचाइजी की एंट्री और ड्राफ्ट की जगह पहली बार ऑक्शन सिस्टम ने इस बार के सीज़न को और भी हाई-प्रोफाइल बना दिया है।

स्टीव स्मिथ की रिकॉर्डतोड़ डील

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को नई टीम सियालकोट स्टैलियंस ने सीधे साइन किया। यह रकम PSL के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे बड़ी राशि है। स्मिथ, जो टी20 फॉर्मेट में अपनी स्थिरता और मैच कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं, 11वें एडिशन में टीम के ब्रांड एंबेसडर और मुख्य बल्लेबाजी स्तंभ की भूमिका निभाएंगे। स्मिथ हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल मिशेल मार्श की जगह लेने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे में उनका PSL में आना लीग की ग्लोबल अपील को और मजबूत करता है।

ड्राफ्ट से ऑक्शन तक : PSL का बड़ा बदलाव

PSL ने इस सीज़न से ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्राफ्ट सिस्टम की जगह प्लेयर्स ऑक्शन मॉडल लागू किया है। पिछले दस वर्षों से ड्राफ्ट फॉर्मेट में चल रही लीग अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की तरह बोली-प्रक्रिया के जरिए खिलाड़ियों को चुन रही है। लीग का विस्तार भी हुआ है—अब टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। सियालकोट और हैदराबाद दो नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। इससे प्रतियोगिता और व्यावसायिक आकर्षण दोनों में इजाफा होने की उम्मीद है।

ऑक्शन में विदेशी सितारों की चमक

लाहौर में आयोजित ऑक्शन में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल रहे। डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, डेरिल मिशेल, मार्क चैपमैन, मुस्तफिजुर रहमान, डेवोन कॉनवे, रिली रोसौ, तबरेज शमशी, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने दिलचस्पी दिखाई। कुल मिलाकर आठों टीमों ने 103 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जिससे आगामी सीज़न के लिए संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार हुई हैं।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी

तेज़ गेंदबाज़ नसीम शाह इस ऑक्शन में सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने PKR 8.65 करोड़ में खरीदा। उनके साथ ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी उसी टीम में PKR 8.5 करोड़ में शामिल हुए। रिटेंशन में पेशावर जाल्मी ने बाबर आजम को PKR 7 करोड़ में बरकरार रखा, जबकि सबसे महंगा रिटेंशन सैम अयूब रहे, जिन्हें 12.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया।

नई फ्रेंचाइजी और बड़े निवेश

सियालकोट और हैदराबाद फ्रेंचाइजी के राइट्स विदेशी पाकिस्तानी निवेशकों ने क्रमशः PKR 185,000 करोड़ और PKR 175,000 करोड़ में हासिल किए। नए स्वामित्व ढांचे के बाद मुल्तान सुल्तांस का भी पुनर्गठन हुआ और टीम का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया। यह निवेश दिखाता है कि PSL अब वैश्विक क्रिकेट लीग्स में अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति बना रहा है।

फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, 'मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।' जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।' 'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं। पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

शाहरुख के साथ 'मैं हूं ना 2' बनाने पर अब फराह खान ने तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ वक्त से फराह खान की पहली निर्देशित फिल्म 'मैं हूं ना' के सीक्वल बनने को लेकर चर्चाएं तेज हैं। कई रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान और फराह खान एक बार फिर 'मैं हूं ना 2' के लिए साथ आ रहे हैं। अब इन चर्चाओं पर खुद फराह खान ने प्रतिक्रिया दी है। जानिए कोरियोग्राफर-निर्देशक ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर क्या बताया? एक बयान में फराह ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्पष्ट तौर पर प्रतिक्रिया दी। फराह ने साफ तौर पर 'मैं हूं ना 2' की खबरों को खारिज करते हुए कहा, 'इन सभी अफवाहों पर विश्वास न करें।' फराह के इस बयान के बाद ये स्पष्ट हो गया है कि 'मैं हूं ना 2' नहीं बन रही है। ऐसे में शाहरुख और फराह की हिट फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे दर्शकों को निराशा हाथ लगी है।

फराह खान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है 'मैं हूं ना'

साल 2004 में आई 'मैं हूं ना' फराह खान द्वारा निर्देशित पहली फिल्म है। इस फिल्म में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनके साथ जायेद खान, अमृता राव, सुनील शेट्टी और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'मैं हूं ना' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक्शन भी दिखता है। फिल्म में शाहरुख खान ने मेजर राम का किरदार निभाया है, जो एक लड़की की सुरक्षा में एक कॉलेज में नकली स्टूडेंट बनकर पहुंचता है। वहां उसकी मुलाकात अपने भाई लक्ष्मण से होती है। इसके बाद कहानी कई मोड़ लेते हुए अंत में देशभक्ति पर आकर ठहरती है।

फराह ने आखिरी बार 'हैप्पी न्यू ईयर' का किया था निर्देशन

फराह खान के निर्देशन में शाहरुख खान ने तीन फिल्मों में काम किया है। इनमें 'मैं हूं ना' के अलावा 'ओम शांति ओम' और 'हैप्पी न्यू ईयर' भी शामिल है। फराह खान ने आखिरी बार 2014 में आई 'हैप्पी न्यू ईयर' को डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण प्रमुख भूमिका में थीं।

ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करती है 'द वाइव्स'

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।' पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्विन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।'

मैं एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं

एक्टिंग की दुनिया में तकरीबन ढाई दशकों में हर तरह की भूमिकाओं में जान डालने वाले शाहिद कपूर किरदारों के मामले में रिस्क लेने से नहीं हिचकिचाते। रूमानी किरदारों में सराहे गए शाहिद ने अपनी उस चॉकलेटी बॉय की इमेज से निकलने के लिए 'कमीने' जैसी ग्रे शेड वाली भूमिका करने से भी परहेज नहीं किया। 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह', 'जर्सी' और 'फर्जी' जैसी अलग-अलग किरदार कर चुके शाहिद इन दिनों 'ओ रोमियो' में एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। उनसे खास बातचीत।

करियर की शुरुआत में आप ऑडिशन दर ऑडिशन देते जाते थे और आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं?

क्या वाकई मेरे लिए रोल लिखे जाते हैं? मैं खुद को इतनी अहमियत नहीं देता, मगर ये सच है कि 'इश्क विश्क' से पहले मैं तकरीबन 200 ऑडिशन कर चुका था। मैं समझता हूं कि एक कलाकार को खुद को समय के साथ संवारते और निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए। मैं तो शुरुआत से ही एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं। आज हमारी पूरी फिल्म फ्रेटर्निटी इस बात को समझ चुकी है कि हमें एक वक्त में एक ही फिल्म पर फोकस करना होगा।

आपने शुरुआत रोमांटिक रोल्स से की, मगर आगे चल कर आप 'कमीने', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'फर्जी' जैसी भूमिकाओं की तरफ झुक गए?

एक अदाकार के रूप में आपको लड़ना पड़ता है, साबित करना पड़ता है कि आप सिर्फ एक ही तरह की भूमिका नहीं बल्कि कई तरह के रोल्स कर सकते हैं। क्या होता है न कि जब आपको एक रोल में सक्सेस मिल जाती है, तो लोग उसी तरह के किरदार ऑफर करने लगते हैं, तो आपको उससे अलग हटकर करने का जुनून होना चाहिए कि मुझे किसी एक बॉक्स में मत डालो, वरना आप उस लूप में फंस जाते हैं।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ आपकी जोड़ी और केमिस्ट्री काफी अलग मानी जाती है, हमने सुना है कि आपने उनके निर्देशन वाली 'हैदर' के लिए आपने अपनी फीस नहीं ली थी?

हां, मैंने उस फिल्म के लिए पैसे नहीं लिए थे। अगर मैं अपनी फीस लेता तो वो फिल्म नहीं बन पाती, क्योंकि वो फिल्म काफी एक्सपेरिमेंटल थी। जब मुझे उस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि अगर ये कहानी हम बना पाए और मैं इस रोल को कर पाया, तो ये फिल्म मेरे लिए एक खास फिल्म साबित होगी। कमाल की बात ये है कि वो उसी तरह की फिल्म साबित हुई, सच कहूं, तो वो पैसे वाली फिल्म थी ही नहीं। एक एक्टर और सिनेमा प्रेमी को भाने वाली फिल्म थी वो। तो कभी-कभी ऐसी फिल्में एक कलाकार को कर लेनी चाहिए।

आप मीशा और ज़ैन जैसे दो बच्चों के पिता हैं, क्या बच्चे आपके स्टारडम से वाकिफ हैं? वो आपकी फिल्में देखते हैं?

बिल्कुल वाकिफ हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता क्या काम करते हैं। जहां तक फिल्मों की बात है, तो जो फिल्में वो देख सकते हैं, जरूर देखते हैं। जाहिर है, मेरी सभी फिल्में बच्चों के देखने योग्य नहीं होती। (मुस्कुराते हैं) उन्होंने 'जब वी मेट' देखी थी, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी उन्हें पसंद आई थी। मेरी स्वीट फिल्में उन्होंने देखी हैं।

अपने करियर में आप सबसे मुश्किल दौर से कब गुजरे?

मुश्किल दौर हर समय होता है। देखिए हमारी इंडस्ट्री में रेलेवंस, सामयिकता बहुत जरूरी है, एक एक्टर और स्टार के रूप में। ये दोनों चीजें साथ में चलती हैं। लोग मुझसे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं और ये भी कहते हैं कि मुझमें एक तरह का स्टारडम है, तो फिर उसे एक साथ में लेकर चलना बड़ा मुश्किल होता है। मुझे किसी इमेज में बंधना पसंद नहीं है। कभी-कभी स्टारडम आपको बांध देता है कि यही करो, यही अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि मैं खुलकर एक्सप्लोर करूं, अलग भूमिकाएं करूं, मगर साथ ही मैं स्टारडम भी चाहता हूं, तो फिर वो जद्दोजहद जो होती है, उसे मैनेज करना बहुत मुश्किल होता है। फिर आजकल दर्शकों का मूड बदलता रहता है। कभी-कभी लगता है कि उनका मूड अच्छा है और कभी लगता है कि क्या अजीब-सा मूड है। तो ये आसान नहीं है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।